पंजाब केसरी
WED,12 AUGUST 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

रटने की बजाय अब समझ और कौशल पर दिए जाएंगे अंक

परख टैक्सोनॉमी पर आधारित होगा नया परीक्षा पैटर्न, मॉडल पेपर जारी

धर्मशाला, 11 अगस्त (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली परीक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव किया है।

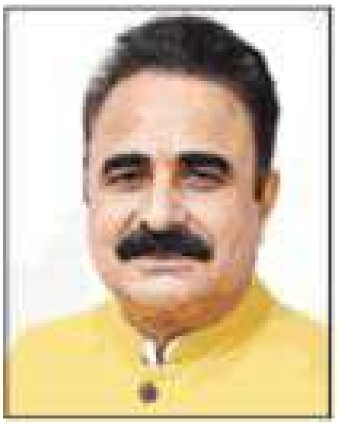

बोर्ड ने मार्च-2027 की परीक्षाओं के लिए परख टैक्सोनॉमी पर आधारित योग्यता आधारित नए मॉडल पेपर और अंक विभाजन तैयार कर अपनी वैबसाइट पर अपलोड कर दिए हैं। यह नया पैटर्न कक्षा 5वीं, 11वीं, 12वीं और संशोधित व्यावसायिक विषयों पर लागू होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य रटंत विद्या को खत्म कर छात्रों की विश्लेषणात्मक क्षमता, रचनात्मक सोच और व्यावहारिक ज्ञान को परखना है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि इससे विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए सक्षम बनेंगे। उन्होंने शिक्षकों को कक्षा में इसी अवधारणा के अनुसार अभ्यास कराने और छात्रों को नए पैटर्न से तैयारी करने की सलाह दी है।

दैनिक सवेरा टाइम्स

हिमाचल बोर्ड का नया पैटर्न : अब रटने से नहीं, समझ से मिलेंगे अंक

मार्च-2027 से होगा लागू, 11वीं-12वीं और 5वीं के लिए योग्यता आधारित मॉडल पेपर तैयार

सवालों में कॉन्सेप्ट, तर्क, विश्लेषण और प्रैक्टिकल एप्लीकेशन पर जोर

सवेरा न्यूज/यशपाल सिंह

धर्मशाला, 11 अगस्त : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में अब रटंत विद्या की जगह समझ, तर्क और कौशल की परीक्षा होगी। मार्च-2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए बोर्ड ने पहली बार योग्यता आधारित आदर्श प्रश्न-पत्र और नया अंक विभाजन तैयार किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार किए गए इस पैटर्न में विद्यार्थियों से सिर्फ यह नहीं पूछा जाएगा कि उन्होंने क्या याद किया, बल्कि यह परखा जाएगा कि वे सीखी हुई अवधारणा को समझकर उसका इस्तेमाल किस तरह कर सकते हैं। बदलाव केवल जमा एक और जमा दो तक सीमित नहीं रखा गया है। कक्षा 5वीं के शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन परीक्षाओं के लिए भी नए मॉडल पेपर तैयार किए गए हैं। संशोधित पाठ्यक्रम वाले व्यावसायिक विषयों के लिए भी नए पैटर्न के अनुसार आदर्श प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन जारी किया गया है। बोर्ड ने कक्षा 5वीं, 11वीं और 12वीं के मॉडल पेपर और अंक विभाजन अपनी वेबसाइट में अपलोड कर दिए हैं। बोर्ड अध्यक्ष ने विद्यार्थियों से इन मॉडल पेपर के आधार पर तैयारी करने और प्रश्न याद करने के बजाय कॉन्सेप्ट समझने पर जोर देने की अपील की है। शिक्षकों से भी कक्षा में इसी पैटर्न के अनुरूप नियमित अभ्यास करवाने को कहा गया है।

> नई परीक्षा प्रणाली का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल परीक्षा पास करवाना नहीं, बल्कि उनकी वास्तविक समझ और कौशल को विकसित करना है, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें।
>
> (डॉ. राजेश शर्मा, चेयरमैन, प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड)

Wed, 12 August 2026
epaper.dainiksaveratimes.in/c/80680637

Dainik Jagran Dt.12-08-2026

2027 की परीक्षाओं के लिए नया योग्यता आधारित पैटर्न किया जारी

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए नया योग्यता आधारित परीक्षा पैटर्न जारी किया है। यह पैटर्न 11वीं, 12वीं और पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप तैयार किया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को रटने के बजाय विषय की मूल अवधारणाओं को समझने और व्यावहारिक उपयोग करने के लिए प्रेरित करना है।

राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

बोर्ड ने कक्षा 11वीं, 12वीं और 5वीं के लिए नए आदर्श प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन तैयार किए हैं। प्रश्न-पत्रों में विद्यार्थियों की

11वीं, 12वीं और पांचवीं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप किया है तैयार, रटने के बजाय समझने में होगी आसानी

वास्तविक समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल पर जोर दिया जाएगा। बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि नए परीक्षा पैटर्न में परख टैक्सोनामी के दिशा निर्देशों को ध्यान में रखा गया है, जिससे परीक्षा प्रणाली अधिक विद्यार्थी-केंद्रित और कौशल आधारित बनेगी। विद्यार्थियों को अब केवल पाठ्य सामग्री याद करने की अपेक्षा नहीं होगी, बल्कि यह भी परखा जाएगा कि वे किसी विषय की अवधारणा को कितनी गहराई से समझते हैं। यह बदलाव केवल जमा एक और जमा दो तक सीमित नहीं है, बल्कि कक्षा पांचवीं की ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन परीक्षाओं के लिए भी नए आदर्श प्रश्न-पत्र तैयार किए गए हैं।

बोर्ड ने सभी आदर्श प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करवाए हैं। डा. राजेश शर्मा ने विद्यार्थियों से अपील की है कि वे परीक्षा की तैयारी में माडल पेपरों को आधार बनाएं और शिक्षकों से भी आग्रह किया है कि वे विद्यार्थियों को नए परीक्षा पैटर्न के अनुसार नियमित अभ्यास करवाएं।

Divya Himachal Dt.12-08-2026

स्कूल शिक्षा बोर्ड ने 2027 की परीक्षाओं के लिए जारी किए योग्यता आधारित मॉडल पेपर

ज्ञान और कौशल की अब होगी असली परख

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने स्कूली शिक्षा में एक बड़े और सकारात्मक बदलाव की ओर कदम बढ़ाया है। विद्यार्थियों को रटंत विद्या से निकालकर उनकी वास्तविक समझ और कौशल को परखने के लिए, बोर्ड ने मार्च-2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए आधुनिक और योग्यता आधारित आदर्श प्रश्न-पत्र (मॉडल पेपर) और अंक विभाजन तैयार कर लिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप उठाए गए इस कदम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पास होने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह सक्षम बनाना है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने इस नई पहल की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि अब शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्य सामग्री को रटना नहीं है। बोर्ड ने परख टैक्सोनामी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रश्न-पत्रों को अधिक विद्यार्थी-केंद्रित और आधुनिक बनाया है। आगामी परीक्षाओं में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि विद्यार्थी किसी विषय की अवधारणा को कितना गहराई से समझते हैं। अब परीक्षाओं में छात्रों की विश्लेषणात्मक क्षमता, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान कौशल और उस ज्ञान के व्यावहारिक परिस्थितियों में उपयोग को परखा जाएगा।

- 11वीं, 12वीं और 5वीं कक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप नया पैटर्न लागू

बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड

परीक्षा प्रणाली के इस अहम बदलाव को समय रहते सभी तक पहुंचाने के लिए बोर्ड ने त्वरित कदम उठाए हैं। कक्षा 11वीं, 12वीं और 5वीं के ये सभी आदर्श प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट विकल्प में उपलब्ध करवा दिए गए हैं।

मार्च 2027 की परीक्षाओं में बदलेगा प्रश्न-पत्र का पैटर्न

अनंत ज्ञान

एचपी बोर्ड ने योग्यता आधारित मॉडल पेपर किए जारी, रटने के बजाय समझ और कौशल पर होगा जोर

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने स्कूली शिक्षा में परीक्षा प्रणाली को अधिक व्यावहारिक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बोर्ड ने मार्च 2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए योग्यता आधारित आदर्श प्रश्न-पत्र (मॉडल पेपर) और अंक विभाजन तैयार कर लिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप किए गए इस बदलाव का उद्देश्य विद्यार्थियों को रटंत विद्या से बाहर निकालकर उनकी वास्तविक समझ, कौशल और व्यावहारिक ज्ञान को परखना है।

परख टैक्सोनॉमी के आधार पर बदलाव: बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि नए प्रश्न-पत्र परख टैक्सोनॉमी के दिशा-निर्देशों के अनुसार तैयार किए गए हैं। इनमें विद्यार्थियों की अवधारणाओं की समझ, विश्लेषणात्मक क्षमता, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान कौशल और ज्ञान के व्यावहारिक उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे विद्यार्थी केवल परीक्षा पास करने के बजाय राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगे।

कक्षा पांचवीं में भी नई व्यवस्था: यह बदलाव केवल जमा एक और जमा दो की परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। कक्षा पांचवीं के शैक्षणिक सत्र 2026-27 की ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन परीक्षाओं के लिए भी नए आदर्श प्रश्न-पत्र तैयार किए गए हैं। इसके अलावा संशोधित पाठ्यक्रम वाले व्यावसायिक विषयों के लिए भी नए मॉडल पेपर और अंक विभाजन जारी किए गए हैं। बोर्ड ने विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुविधा के लिए कक्षा पांचवीं, 11वीं और 12वीं के आदर्श प्रश्न-पत्र तथा अंक विभाजन अपनी आधिकारिक वेबसाइट के डाउनलोड विकल्प में उपलब्ध करवा दिए हैं।

Anant Gyan Jagran Dt.12-08-2026

AAPKA FAISLA:12-08-2026

रटने से नहीं, समझ से मिलेगी सफलता, हिमाचल बोर्ड ने 2027 की परीक्षाओं के लिए जारी किए नए 'योग्यता आधारित' मॉडल पेपर

धर्मशाला, (आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड (HPBOSE) ने स्कूली शिक्षा में एक बड़े और सकारात्मक बदलाव की ओर कदम बढ़ाया है। विद्यार्थियों को रटंत विद्या से निकालकर उनकी वास्तविक समझ और कौशल को परखने के लिए, बोर्ड ने मार्च-2027 में होने वाली परीक्षाओं के लिए आधुनिक और योग्यता आधारित (Competency Based) आदर्श प्रश्न-पत्र (मॉडल पेपर) और अंक विभाजन तैयार कर लिए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 (NEP-2020) के अनुरूप उठाए गए इस कदम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पास होने के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं और भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह सक्षम बनाना है। PARAK ॥ टैक्सोनॉमी से बदलेगा परीक्षाओं का स्वरूप हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने इस नई पहल की जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि अब शिक्षा का उद्देश्य केवल पाठ्य सामग्री को रटना नहीं है। बोर्ड ने 'PARAKH Taxonomy' के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रश्न-पत्रों को अधिक विद्यार्थी-केंद्रित और आधुनिक बनाया है। आगामी परीक्षाओं में इस बात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा कि विद्यार्थी किसी विषय की अवधारणा (Concept) को कितना गहराई से समझते हैं। अब परीक्षाओं में छात्रों की विश्लेषणात्मक क्षमता, रचनात्मक सोच, समस्या समाधान कौशल और उस ज्ञान के व्यावहारिक परिस्थितियों में उपयोग को परखा जाएगा। 5वीं कक्षा और व्यावसायिक विषयों में भी हुआ बदलाव यह बदलाव केवल सीनियर सेकेंडरी कक्षाओं (जमा एक और जमा दो) तक ही सीमित नहीं है। प्राथमिक स्तर पर ही बच्चों की नींव मजबूत करने के लिए कक्षा पांचवीं (शैक्षणिक सत्र 2026-27) की ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन दोनों परीक्षाओं के लिए नए आदर्श प्रश्न-पत्र तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, जिन व्यावसायिक (Vocational) विषयों के पाठ्यक्रम में हाल ही में संशोधन किया गया है, उनके लिए भी नए पाठ्यक्रम के अनुसार मॉडल पेपर और अंक विभाजन जारी कर दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों को तैयारी में कोई असुविधा न हो। बोर्ड की वेबसाइट पर किए गए अपलोड, परीक्षा प्रणाली के इस अहम बदलाव को समय रहते सभी तक पहुंचाने के लिए बोर्ड ने त्वरित कदम उठाए हैं। कक्षा 11वीं, 12वीं और 5वीं के ये सभी आदर्श प्रश्न-पत्र और अंक विभाजन हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट www.hpbose.org के 'Download' विकल्प में उपलब्ध करवा दिए गए हैं। विद्यार्थियों और शिक्षकों से खास अपील, बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने प्रदेश भर के विद्यार्थियों से आग्रह किया है कि वे अपनी परीक्षा की तैयारी के लिए इन आदर्श प्रश्न-पत्रों को मुख्य आधार बनाएं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे केवल प्रश्नों को याद करने के बजाय हर विषय की मूल अवधारणाओं (Concepts) को समझने पर फोकस करें। साथ ही, उन्होंने शिक्षकों से भी आह्वान किया है कि वे अपनी दैनिक कक्षाओं में विद्यार्थियों को इसी योग्यता और अवधारणा आधारित प्रणाली के अनुरूप नियमित अभ्यास करवाएं, ताकि नए परीक्षा पैटर्न को लेकर छात्रों के मन में कोई झिझक न रहे।

AUGUST 12, 2026 WEDNESDAY DHARAMSHALA

The Sunny Times

HIMACHAL BOARD SPARKS AN EDUCATION REVOLUTION WITH NEW COMPETENCY-BASED EXAMS FOR 2027

Sunny Mahajan | Dharamshala

The days of mindlessly cramming textbooks the night before an exam are officially numbered in Himachal Pradesh. In a bold and inspiring leap forward, the Himachal Pradesh Board of School Education (HPBOSE) is flipping the script on traditional learning. Gearing up for the March 2027 examinations, the board has unveiled a completely revamped set of competency-based model question papers. This is no longer just about memorizing facts to pass a test; it is about equipping students with the real-world wisdom, sharp logic, and practical skills they need to conquer national-level competitions and thrive in the future.

Driving this monumental shift is the visionary framework of the National Education Policy (NEP-2020) and the innovative PARAKH taxonomy. HPBOSE Chairman Dr. Rajesh Sharma has made it crystal clear that the era of rote learning is over. The newly designed exams are laser-focused on testing a student's true grasp of core concepts. Instead of asking students to simply repeat what they have read, the upcoming assessments will challenge their analytical power, spark their creative thinking, and measure how well they can apply their knowledge to solve actual problems. It is a massive educational upgrade that transforms students from passive readers into active, critical thinkers.

This exciting educational makeover is not just reserved for high schoolers. To build an unshakeable foundation from the very beginning, the board has rolled out these dynamic new model papers for fifth-grade students in both summer and winter sessions. Students in the eleventh and twelfth grades, along with those taking newly updated vocational courses, will also step into this modernized testing arena. By bridging the gap between theoretical knowledge and practical application across multiple grade levels, the board is ensuring that every student is fully prepared for the challenges of tomorrow.

For those ready to embrace this new chapter, the future of learning is already at your fingertips. All the fresh model papers and marking schemes are live and waiting in the download section of the official HPBOSE website at www.hpbose.org. Dr. Sharma has sent out a passionate rallying cry to both students and educators across the state, urging them to make these model papers the heart of their exam preparation. Teachers are encouraged to weave this concept-driven approach into their daily lessons, empowering students to walk into their 2027 exams with absolute confidence, deep understanding, and zero hesitation. The ultimate message from the board is simple but powerful: true success comes from